अथवा

'सदाचार का ताबीज' में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

5. अज्ञेय के साथ का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' का मूल्यांकन कीजिए।

6. किसी **एक** पर टिपपणी लिखिए : (10)

(क) रामचन्द्र शुक्ल का साहित्यिक परिचय

(ख) जातियों का अनूठापन का सार

[This question paper contains 4 printed pages.]

06/06/2024

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 5243 **H**

Maitreyi College LIBRARY Chanakyapuri, New Delhi-110021

Unique Paper Code : 2052101203

Name of the Paper : Hindi Nibandh Evam Anya Gadya Vidhaein

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – DSC**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10+10=20)

(क) जब हम किसी एक जाति पर ध्यान देते हैं तो निश्चय उस जाति के आचरणों से कुछ ऐसी बातें लक्षित होती है जो खास उसी जाति में पाई जाएगी और वे बातें ऐसी न होंगी जो मनुष्य मात्र

में साधारण रीति पर पाई जायें क्योंकि न कोई जाति इतनी भली है कि उसमें कोई बुरे होंगे ही नहीं। न देश का देश इतना बुरा हो सकता है कि उस जाति में एक भी भला ना हों।

अथवा

मुसलमानों के आने के पहले इस देश में नाना विश्वासों और आचार-विचारों के भेद से नाना प्रकार के धर्म-मत प्रचलित थे। परन्तु जीवन के प्रति उनकी दृष्टि में एक विशेष प्रकार की एकरूपता थी। इस एकरूपता के कारण ही नाना मतों के मानने वाले, नाना स्तरों पर खड़े हुए, नाना मार्यादाओं में बँधे हुए अनेक जनवर्ग एक सामान्य नाम से पुकारे जाने लगे। यह नाम था 'हिन्दू'।

(ख) एक दरबारी ने कहा, 'हुजूर वह हमें नहीं दिखेगा। सुना है, वह बहुत बारीक होता है। हमारी आँखें आपकी विराटता देखने की इतनी आदि हो गई हैं कि बारीक चीज नहीं दिखती। हमें भ्रष्टाचार दिखा भी तो उसमें हमें आपकी ही छवि दिखेगी, क्योंकि हमारी आँखों में तो आपकी ही सूरत बसी है। पर अपने राज्य में एक जाति रहती है जिसे 'विशेषज्ञ' कहते है। इस जाति के पास कुछ ऐसा अंजन होता है कि उसे आँखों में झाँककर वे बारीक चीज भी देख लेते हैं।

अथवा

अपनी जिन्दगी को धोती-कुर्ते-चप्पल में घुट गई। किसी हिंदी के कवि की यह विदेशियों-सी चुस्ती और फुर्ती पलकों में अँट नहीं रही थी। तैराकी का शौक मुझे भी है, एक बार इसी नर्मदा के धुआँधार जलप्रपात में शहीद होते-होते रह गया था। तैर तैर का देर तक की लाल-लीला का स्फार संभार चला। पहाड़ और नदी दोनों ने दो ही दिनों में अज्ञेय की ऊँचाई और गहराई दिखा दी थी।

2. 'आचरण की सभ्यता' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

'जातियों का अनूठापन' निबंध की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

3. 'भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या' का सार लिखिए। (15)

अथवा

'करुणा' निबंध का सार लिखिए।

4. 'नए संघर्ष' के आधार पर निराला के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। (15)